Self Respect

May 19,2014

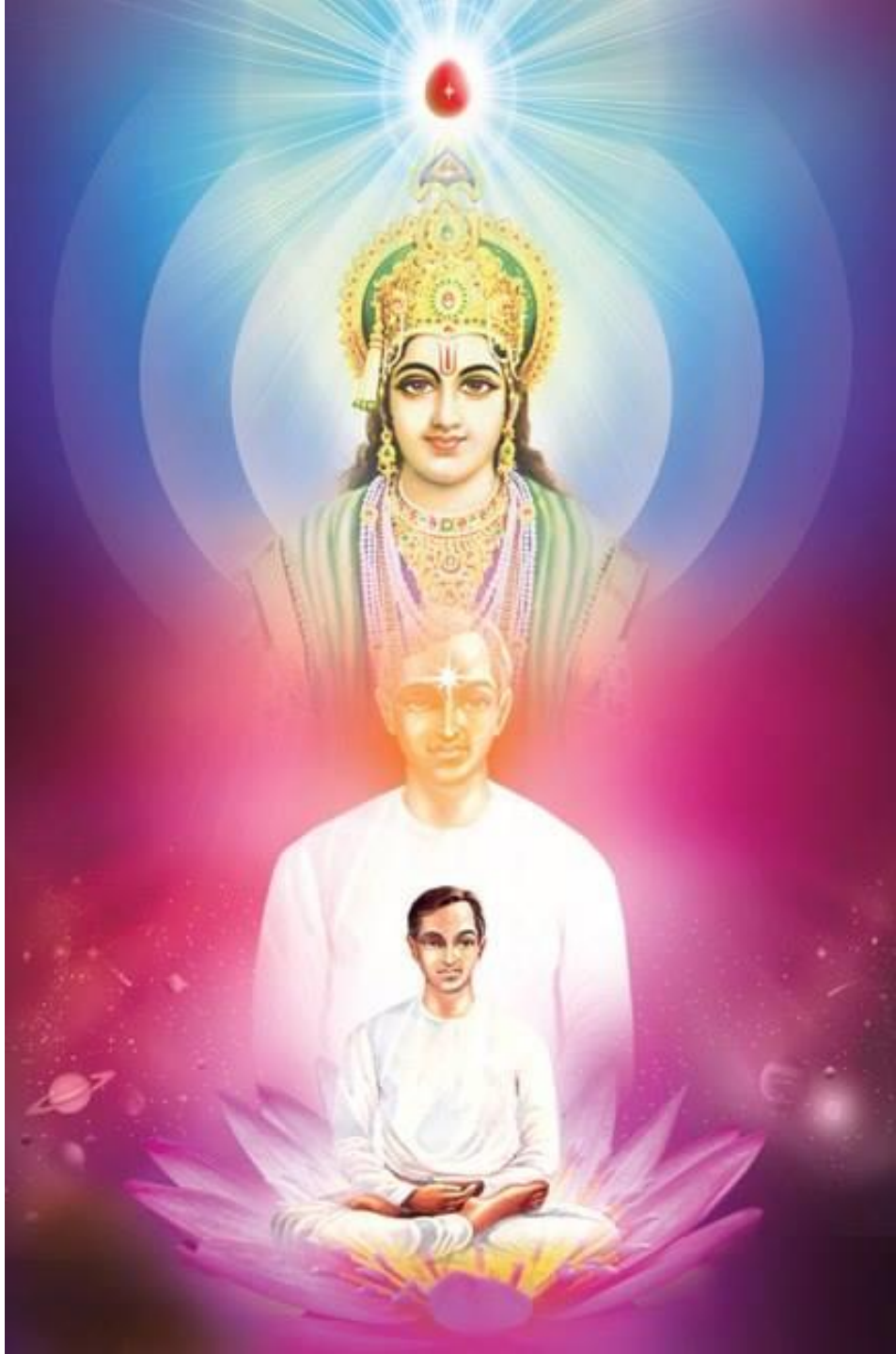

बाप पावन बना रहे हैं बच्चों को ।

एक बाप के सब बच्चे आपस में भाई-भाई हैं । हम भाई-भाई बनते हैं । बाप से वर्सा लेते हैं । बाप आकर सिखलाते हैं ।

जो समझने वाले होते हैं वह समझते हैं यह स्कूल वा बड़ी यूनिवर्सिटी है । बाप सबको दृष्टि देते हैं वा याद करते हैं ।

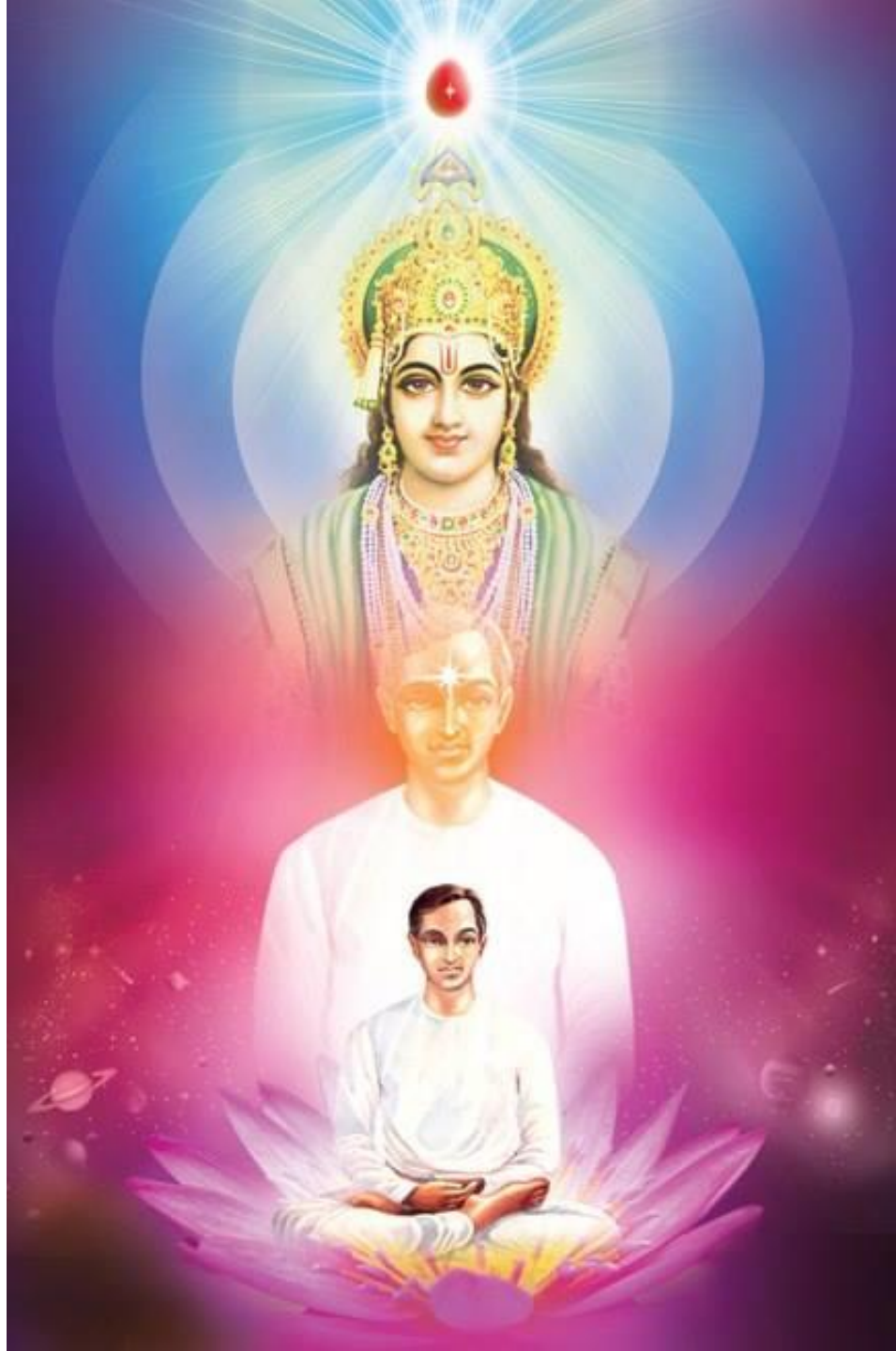

भल में नई दुनिया में राज्य नहीं करता हूँ परन्तु है तो मेरी ना | मेरे बच्चे मेरे इस बड़े घर में भी बहुत सुखी रहते हैं और फिर दुःख भी पाते हैं | यह खेल है |

अभी तो जानते हो हम बेहद के बाप से सुख का वर्सा ले रहे हैं | बाप आकर हमको सुख भी देते हैं, शान्ति भी देते हैं | और कोई सुख-शान्ति तो देने वाला है नहीं |

तुम समझते हो हम बाबा के बच्चे बहुत सुखी थे जबकि पवित्र थे |

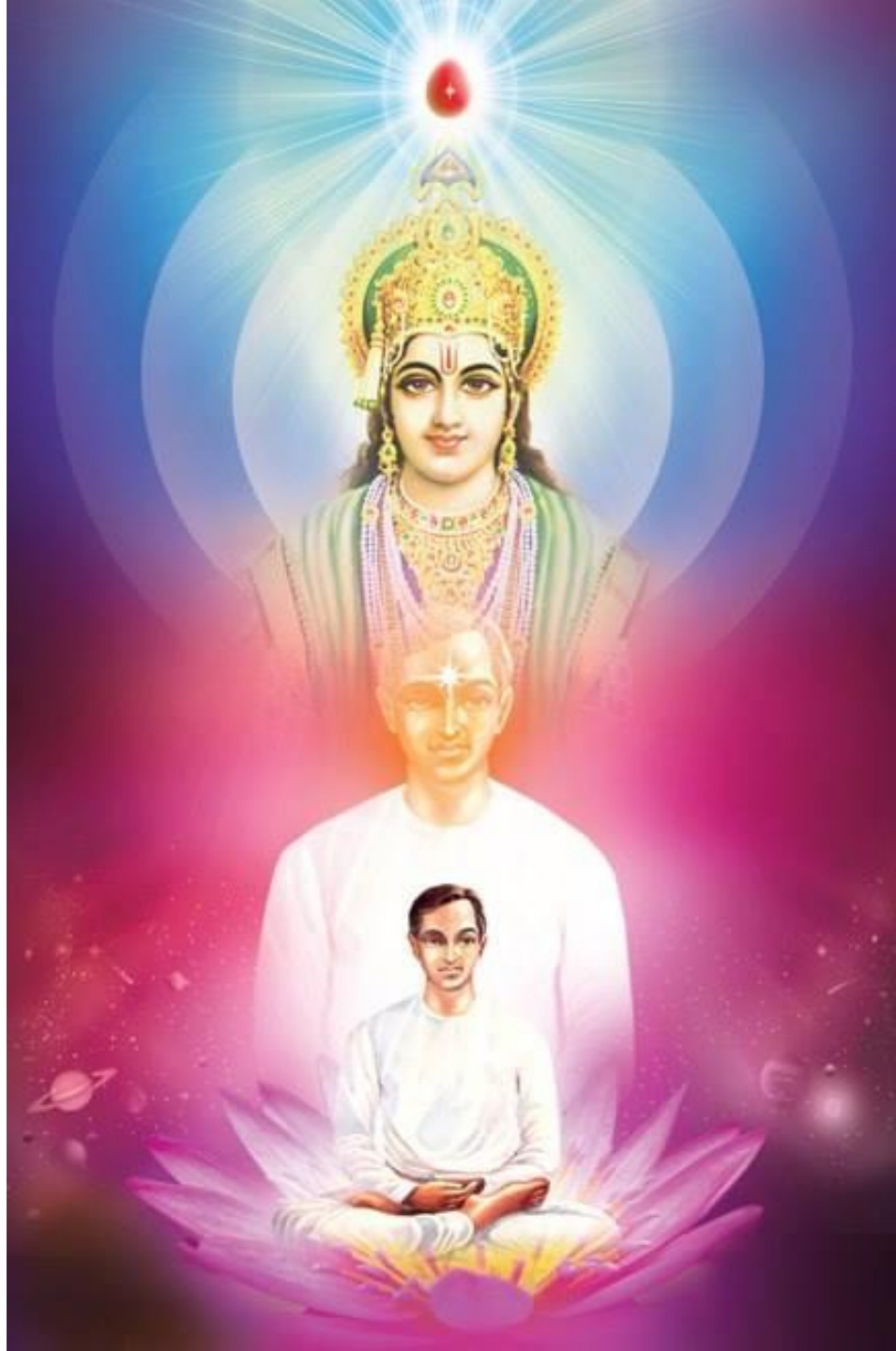

यह है तमोप्रधान दुनिया | विषय सागर में गोते खाते रहते हैं | समझते कुछ नहीं है | तुमको अब समझ आई है |

बाप आकर स्वर्ग की स्थापना करते हैं | तुम बच्चों को राजयोग सिखलाते हैं | बाप कहते हैं मीठे बच्चे, मैं तुमको यह नॉलेज सुनाता हूँ | मेरे में ही यह नॉलेज है | ज्ञान सागर मैं हूँ |

तुम तो बिल्कुल सुखी विश्व के मालिक बनते हो तो तुम्हारे पास हर चीज़ सुखदाई है | वहाँ दुःखदाई कोई चीज़ होती नहीं | यह नर्क है ही गन्दी दुनिया |

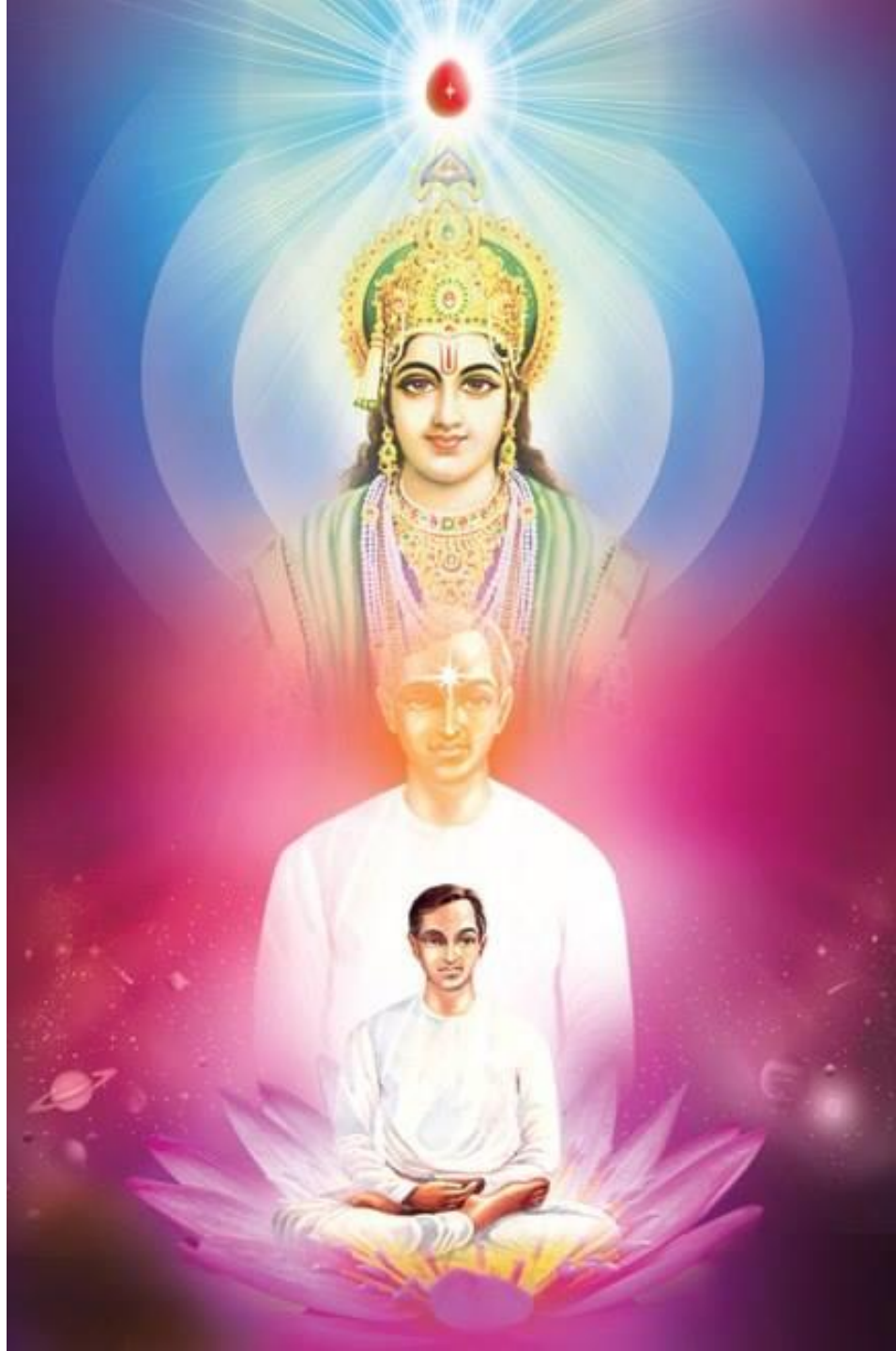

बाप कहते हैं तुम अपने धर्म को भूल कितने धर्मों में घुस पड़े हो |

तुम हो ब्रह्मा के बच्चे | तुमसे कोई पूछे तुम किसके बच्चे हो? अरे, हम ब्रह्माकुमार, कुमारियाँ हैं तो उनके बच्चे ठहरें ना | ब्रह्मा किसका बच्चा? शिवबाबा का | हम उनके पौत्रे ठहरे | सभी आत्मायें उनके बच्चे हैं | फिर शरीर में पहले ब्राह्मण बनते हैं |

यह एडाप्शन है | शिवबाबा एडाप्ट करते हैं ब्रह्मा द्वारा |

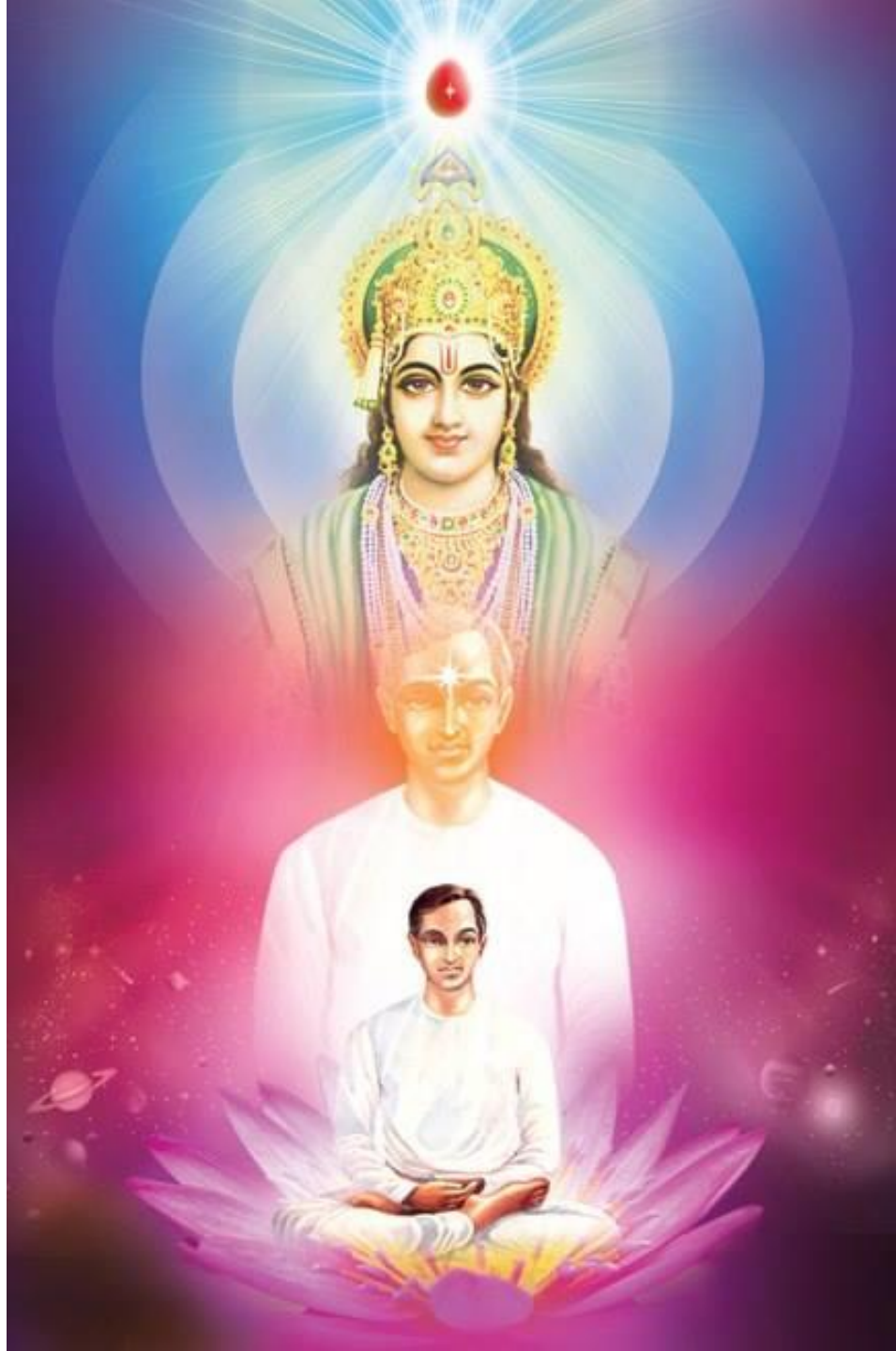

बाप कहते हैं मैं तुमको सद्गति देता हूँ ।
तुम जानते हो यहाँ देवतायें हैं डबल
अहिंसक क्योंकि वहाँ रावण होता ही नहीं ।
भक्ति से होती है रात, ज्ञान से दिन ।

बाप ही आकर यह समझाते हैं और बच्चों
को ही समझाते हैं । शिव भगवानुवाच है ना
।

मीठे-मीठे रूहानी बच्चों को रूहानी बाप बैठ
ज्ञान के सब राज़ बताते हैं ।

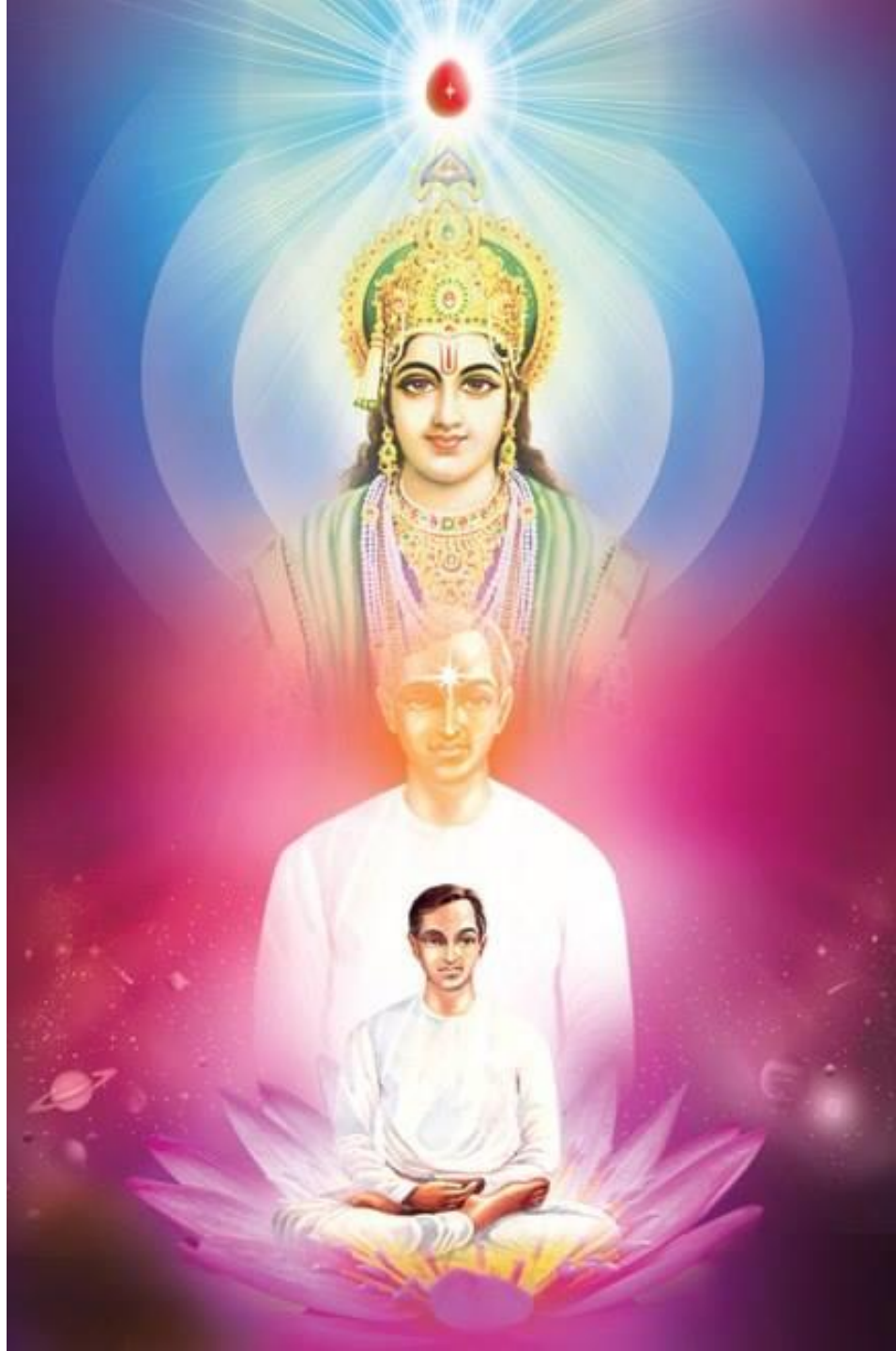

अभी तुम्हारी यह बातें कोई नया सुनेगा तो समझ नहीं सकेगा इसलिए बाप कहते हैं मैं अपने बच्चों से ही बात करता हूँ । भक्ति भी तुम ही शुरू करते हो ।

बाप ने तुमको पूज्य बनाया, तुम फिर पुजारी बन जाते हो । यह भी खेल है ।

तो बाप समझाते हैं तुम बन्दरों की मैं सेना लेता हूँ, रावण पर जीत पाने के लिए । अब बाप तुमको युक्ति बताते हैं – रावण पर जीत कैसे पानी है? सब सीताओं को रावण की जंज़ीरों से छुड़ाना है ।

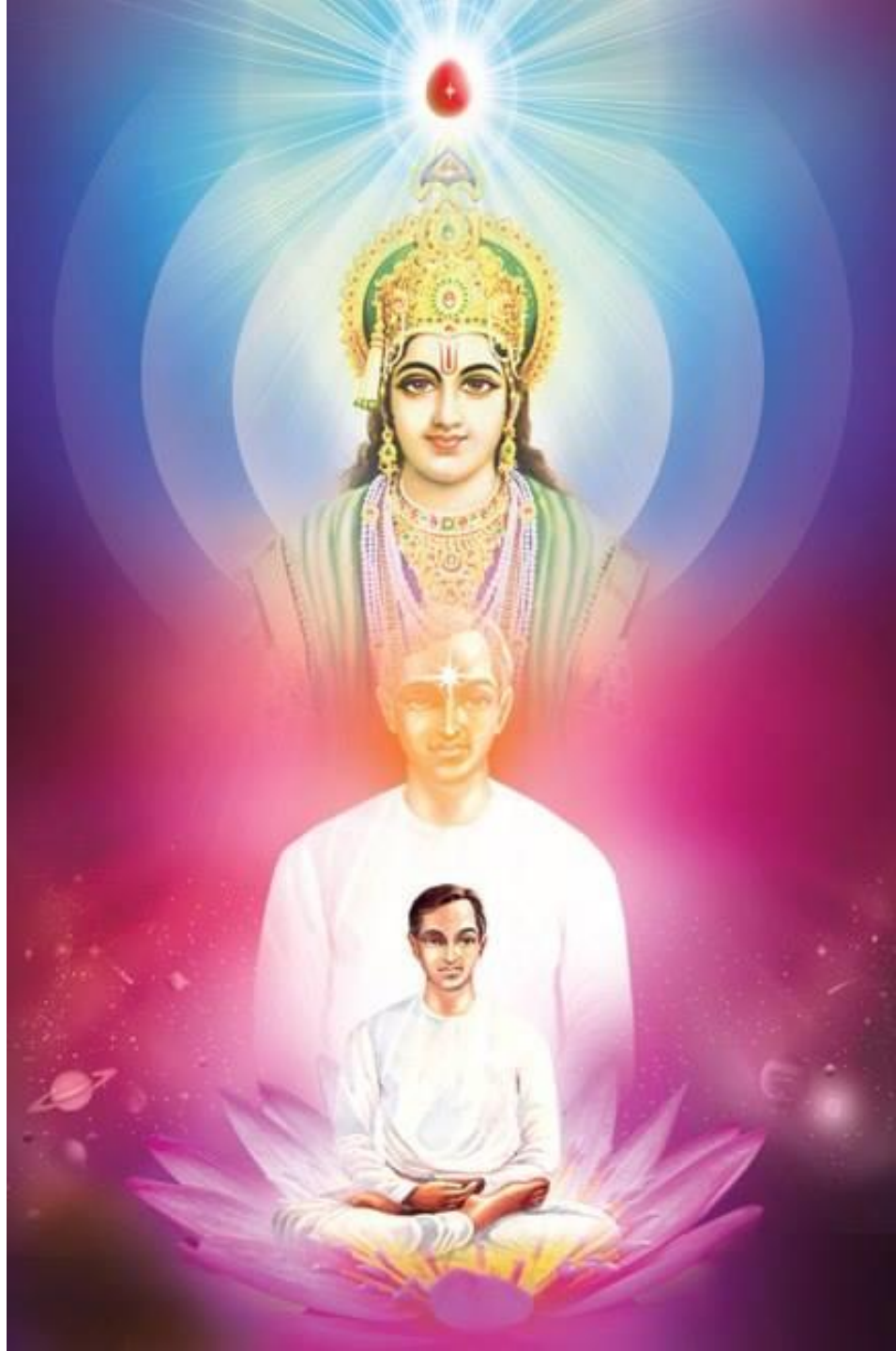

भगवानुवाच, बच्चों को ही बाप कहते हैं हियर नो ईविल.....जिन बातों से तुम्हें कोई फ़ायदा नहीं, उनसे तुम अपने कान बन्द कर लो | अब तुमको श्रीमत मिलती है | तुम ही श्रेष्ठ बनेंगे |

अच्छा!

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |